15.57 hrs

Title: Regarding proposed talks between India and Pakistan.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, सुबह प्रश्नकाल स्थगित करके हमने यह सवाल उठाने की कोशिश की थी कि हिंदुस्तान और पाकिस्तान की जो वार्ता हो रही है उसमें इस सदन और देश को अंधेरे में रखा जा रहा है। हम लोग भी चाहते हैं कि वार्ता हो। लेकिन हम जानना चाहते हैं कि क्या वार्ता के लिए उपयुक्त वातावरण बन गया है। हमने वार्ता करने की पहले भी कोशिश की है। हम लोग बस लेकर पाकिस्तान गये थे। आगरा में हमने शिखर वार्ता की। जब तक पाकिस्तान आतंकवादी गतिविधियों को प्रोत्साहित करता है, जब तक वहां आतंकवादियों के प्रशिक्षण शिविर लग रहे हैं तब तक पाकिस्तान से कोई वार्ता नहीं होनी चाहिए। सदन और देश को विश्वास में लिये बिना जो वार्ता हो रही है यह कोई अच्छी बात नहीं है। सदन और देश यह जानना चाहता है कि कौन सी ऐसी परिस्थितियां पैदा हो गयी जिससे भारत सरकार पाकिस्तान से वार्ता कर रही है।

उपाध्यक्ष महोदय : रामजी लाल सुमन जी, यह जीरो-आवर नहीं है। आप कल नोटिस देकर इस प्रश्न को उठा सकते हैं।

श्री रामजीलाल सुमन : उपाध्यक्ष जी, हमारे नोटिस को सुना नहीं गया। यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है।

उपाध्यक्ष महोदय : आपसे स्पीकर साहब ने भी इस प्रश्न को कल उठाने के लिए कहा है।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : उपाध्यक्ष जी, सदन यह जानना चाहता है कि कौन सी ऐसी नयी परिस्थितियां पैदा हुई हैं? क्या आतंकवादियों के खात्मे का कोई संकेत आया है या घुसपैंठियों को रोकने का कोई संकेत आया है। सुबह जब सदन शुरू हुआ था तो माननीय प्रभुनाथ सिंह जी ने यह प्रश्न उठाया था। यह विाय बहुत महत्वपूर्ण है। क्या सीमा-पार से आतंकवाद खत्म करने का कोई संकेत पाकिस्तान के प्रधान मंत्री की तरफ से आया है, क्या कोई ऑथेंटिक संकेत घुसपैंठियों को रोकने का पाकिस्तान की तरफ से आया है। कौन सी ऐसी परिस्थितियां हैं, कौनसी ऐसी ताकत है जो भारत को वार्ता करने के लिए विवश कर रही है। आगरा में वार्ता विफल हुई थी और सारे डिप्लोमैटिक नॉर्मस को, पाकिस्तान के तानाशाह ने, आगरा में तोड़ कर, सारी बातें, जब वार्ता हो रही थी, प्रेस को बता दी थीं। यह जो वार्ता हो, वह विफल न हो, इसकी गारंटी हो जाए। जब तक यह नहीं होता वार्ता का कोई मतलब नहीं है। पूरा देश आज अंधेरे में है।

16.00 hrs.

भारत-पाक वार्ता होनी चाहिए, पाकिस्तान हमारा पड़ोसी देश है, लेकिन जब तक इस बात की गारन्टी न हो जाए कि सीमापर से आतंकवाद और घुसपैठ पर रोक लगे और डिप्लोमैटिक नार्म्स का पूरा-पूरा पालन होगा। इस संबंध में सदन और देश को अंधकार में नहीं रखा जा सकता है। सरकार को स्थिति स्पट करनी चाहिए।

श्री शिवराज वि.पाटील (लातूर) : उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही महत्वपूर्ण विाय है। मिनिस्ट्री आफ एक्सटर्नल अफेयर्स की डिमान्ड्स पर चर्चा के समय इसकी चर्चा हुई थी। उस समय हम लोगों ने कहा था कि पाकिस्तान से वार्ता करनी है, कोई हर्ज नहीं है, लेकिन तैयारी के साथ करें, तो अच्छा है। उसके बाद प्रधान मंत्री जी का बयान, जब वे काश्मीर गए थे, उस संदर्भ में आया था। फिर उधर की तरफ से कुछ कदम उठाए गए, हम उस डिटेल में नहीं जाना चाहते हैं। मगर जब यह सदन बैठा हुआ है और इतनी महत्वपूर्ण बात सामने आई है, तो उस बारे में सरकार की नीति क्या है, उसके ऊपर प्रकाश डालना आवश्यक है। मैंने न्यूजपेपर में पढ़ा है कि प्रधान मंत्री जी ने कहा है कि आवश्यकता पड़ने पर वे उसके संबंध में बयान दे देंगे। हम आपके माध्यम से विनती करते हैं कि इस संबंध में सरकार की तरफ से या प्रधान मंत्री जी की तरफ से जानकारी सदन को मिल जाए, तो बहुत अच्छा होगा और वह होना चाहिए।

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि आज सुबह 11 बजे भी सदन में यह विाय उठाया गया था। उस समय आसन पर अध्यक्ष महोदय आसीन थे। वार्ता के हम विरुद्ध नहीं है, लेकिन हमें इतनी आशंका है कि जब-जब भी पाकिस्तान से दोस्ती का हाथ बढ़ाया है, तब-तब देश को किसी-न-किसी रूप में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। मंत्री जी सदन में उपस्थित है। हम चाहेंगे कि सरकार इस बात का रिसपांस ले और कम से कम सदन की भावनाओं से प्रधान मंत्री जी को अवगत करा दें या स्वयं प्रधान मंत्री जी इस सवाल पर अपने विचार सदन में दें, ताकि देश की जनता को विश्वास में लिया जा सके।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुामा स्वराज) : महोदय, मैं सदन की भावनाओं और सदन की मांग से प्रधान मंत्री जी को अवगत करा दूंगी।